

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिएं। –रोबिन शर्मा

राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए नए कुलपति की तलाश

राष्ट्रीय स्तर पर विद्वता, प्रशासनिक एवं आर्थिक चुनौतियां से निपटने की कौशलता, जेन जेड व जेन अल्फा की अपेक्षाओं के अनुसार दूर दृष्टि रखने वाला हो अगला कुलपति/कुलगुरु

राजस्थान विश्वविद्यालय में सितंबर माह में नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा जगत में इस पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह भी सुनने में आ रहा है कि अपने नाम के आगे कुलपति लिखे जाने का स्वप्न संजोये कुछ लोग इस महत्वपूर्ण पद के लिए राजनीतिक और अन्य स्तरों पर साम, दाम, दंड भेद के साथ सक्रिय हो गए हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी जमाने में राजस्थान विश्वविद्यालय का कुलपति केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा की दिशा तय करने के साथ राज्य सरकारों को भी अपनी विद्वता से मार्गदर्शन देने का एक मजबूत जरिया माना जाता था, राज्य सरकारें ही नहीं बड़े-बड़े राजनेता भी कुलपतियों से मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में रहते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से हालात ऐसे बदले हैं कि इस विश्वविद्यालय के कुलपतियों को मुख्यमंत्री की तो छोड़िए अधिकांशत उच्च शिक्षा एवं वित्त विभाग से जुड़े कनिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए भी लंबी प्रतीक्षा के दौर से गुजरना पड़ता है, हालांकि पदासीन कुलपति विश्वविद्यालय के कुछ गंभीर नीतिगत मामलों जैसे पेंशन का दायित्व राज्य सरकार द्वारा लिए जाने जैसे अन्य गंभीर विषयों को लेकर विश्वविद्यालय से जुड़े प्रतिनिधियों को यह कहते हुए जरूर नजर आते हैं, कि इस संबंध में आपने मुझे क्यों नहीं बताया, मैं आपकी शोष्र ही मुख्यमंत्री से वार्ता तय हो जाएगी।

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी, राज्य सरकार ने ग्रेज्युटी की राशि को बढ़ाकर 25 लाख कर दिया है, लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गंभीर आर्थिक हालातों के चलते पिछले लंबे समय से इस राशि को

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी।

विद्वतापूर्ण प्रतिष्ठा के आधार पर सीधे राज्य के मुख्यमंत्री स्तर पर विश्वविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के समाधान की क्षमता रखता हो। यह सही है कि निजी शिक्षा माफियाओं के रचे गए सफल षडयंत्रों के कारण, पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वरूप से इसे वंचित करना, और बाद में इसके क्षेत्राधिकार को संकुचित करने के साथ ही, बिना किसी प्रभावी व्यवहारिक योजना के अभाव में इसके क्षेत्राधिकार से जुड़े सीकर भरतपुर अलवर। जिलों के साथ क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए नए-नए विश्वविद्यालय खोल देने के कारण, इस विश्वविद्यालय के लगातार घटते संसाधनों और वित्तीय दबावों ने विश्वविद्यालय की स्थिति को अत्यंत कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को ऐसे कुलगुरु/ कुलपति की आवश्यकता है जो केवल एक विद्वान ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक, दूरदर्शी योजनाकार और अनुचित दबावों में अपने पद की परवाह किए बिना सरकार विशेष रूप से राजस्थान के मुख्यमंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता रखता हो।

आगे आने वाली 3 सालों में विदेशी विश्वविद्यालयों तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कुछ प्रतिष्ठित निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के राजस्थान, विशेषकर जयपुर, में विस्तार की संभावनाएं भी राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने नई प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत करेंगी। इस चुनौती का सामना वही नेतृत्व कर सकता है जो वैश्विक उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों को गहराई से समझने की क्षमता रखता हो, और अपेक्षाओं के अनुरूप नवाचारों को अपनाने का सामर्थ्य भी उसमें हो, इन सारे आयामों के साथ कम से कम विश्वविद्यालय को ऐसा कुलपति न मिल जाए जो विश्वविद्यालय परिसर की 365 एकड़ भूमि के साथ संघटक महाविद्यालयों से जुड़ी लगभग ढाई सौ एकड़ भूमि, जिसका वर्तमान में अरबो रुपए बाजार मूल्य है, पर गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे प्रभावशाली भू माफियाओं के रचे जाने वाले षडयंत्रों का हिस्सा हो बन जाए। राजस्थान विश्वविद्यालय को आज किसी गुट, विचारधारा या व्यक्तिगत विद्वेषों के आधार पर दुर्भावना एवं शरारतपूर्ण कार्यवाही कर अपने ही विश्वविद्यालय से जुड़े साधियों को प्रताड़ित करने वाला प्रतिनिधि नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार का विश्वास जीतने वाला असली नेतृत्वकर्ता चाहिए, जो राज्य सरकार के अन्य वित्तपोषी विश्वविद्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक मिसाल बन सके।

–अतिथि सम्पादक, डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान विश्वविद्यालय।



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल शनिवार 5 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 9:31 तक, वज्र योग दिन 12:47 तक, तैलिल करण दिन 11:04 तक, चन्द्रमा दिन 10:18 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-बुध, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह।

आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज डा. राधाकृष्णन जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौषडिऱ्या: शुभ 7:45 से 9:19 तक, चर 12:26 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:59 से 3:06 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40



मेप

आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।



वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशवासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी।



कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नैकीरीशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कन्या

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मकर

आर्थिक कार्यों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।



कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में आवश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अगल कार्य में समय खराब हो सकता है।



श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेड्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या

राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए। शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहण शक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षालयों में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन

में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रष्ट्र ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत शिष्यात् इच्छेत पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय को कामना करने चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना,

तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओडिशा के राईगंगपुर में स्थित 'श्री ओरिबंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं।

मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अग्रतृ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन

बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल' बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवन्त प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अटसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

–श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, (लेखक भारत को राष्ट्रपति हैं।)

सुरेश्वर : जहां बच्चों के सपनों के बगीचे में फैली है कला की खुशबू

कला को रचनात्मकता से जोड़ दे रहे हैं हकीकत की उड़ान



बनवारी यादव

अरावली की पहाड़ियों के पास बसे जालोर के एक छोटे-से गांव पांडेग्रा में करीब 100 बच्चे हर सुबह एक उम्मीद के साथ उठते हैं-आज स्कूल जाना है, कुछ नया सीखना है, कुछ नया बनाना है। लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचना भी कठिन चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं, कोई काज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पूछता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सीधे जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पूछने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे

स्कूल ड्रेस जैसी जरूरतें भी कई बार बड़ी बोझ बन जाती थीं। पढ़ने की इच्छा थी, सपने थे, लेकिन उन सपनों के रास्ते में आर्थिक परेशानियां खड़ी थीं। इसी जरूरत को महसूस करते हुए वर्ष 2022 में सुरेश्वर की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्कूल खोलने की पहल नहीं थी, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश थी, जिनके लिए स्कूल की दहलीज तक पहुंचना भी कठिनी चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं, कोई काज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पूछता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सीधे जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पूछने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे है खुशबू चारण, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभवों के दौरान एक बात को बहुत करीब से महसूस किया- बच्चों के बीच रहना और उनके सपनों को आकार लेते देखा। उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देता है। इसी एहसास ने उन्हें ऐसा स्कूल बनाने की प्रेरणा दी, जहां बच्चे सिर्फ पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी रचनात्मकता और कल्पनाओं के आकाश में खलकत उड़ सकें। आज सुरेश्वर में 100 बच्चों की अपनी एक छोटी-सी दुनिया है। यहां हंसी है, शरारतें हैं, रंग हैं, सवाल हैं और सबसे बढ़कर-सपने हैं। सुरेश्वर की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। यह उन 100 बच्चों के साथ हर दिन आगे बढ़ रही है, जो सुबह अपने छोटे-छोटे सपनों के साथ यहां आते हैं और शाम को अपने साथ कुछ नया लेकर लौटते हैं-कभी कोई चित्र, कभी कोई सवाल, कभी कोई नई सीख और कभी बस एक दिन भर की हरे सारी खुशियां।

खुशबू के लिए भी सुरेश्वर कोई



मंजिल नहीं, बल्कि एक सफर है। ऐसा सफर, जिसमें हर बच्चे के साथ एक नया जमाना जुड़ता जाता है।

शायद किसी दिन इन्हीं बच्चों में से कोई अपने गांव की पहली बड़ी उड़ान बनेगा। कोई डॉक्टर, कोई शिक्षक, कोई कलाकार या शायद कुछ ऐसा, जिसका सपना आज उसने खुद न देखा हो और तब सुरेश्वर की सबसे बड़ी कामना पूरी होगी। बल्कि वह बच्चा होगा जो कभी स्कूल आने से डरता या रुकता था। और उस उड़ान की यात्रा शुरू हो

चुकी है। ये बच्चे अब पूरे भरोसे से कह रहे हैं- मैं कर सकता हूं, कम कर सकते हैं। वे हर बार सफल नहीं होते, लेकिन हर विफलता पर सफल होने के लिए जरूरी प्रयास बढ़ जाते हैं और असल सफलता यही है कि इन्होंने सफलता और विफलता के असर अर्थ और मकसद समझ लिए हैं। यही है खुशबू की बगिया की इन अनमोल फूलों की असली महक।

–बनवारी यादव, पीआरओ, सुरेश्वर स्टूडियो, डीआईटीआर

70 साल से 15 अगस्त पर्व पर, जन-जन में स्वस्फूर्त खुशी के माहौल में मनाया जाना देखते आया हूं

किंतु अब विभाजन विभीषिका को याद कर उसे आजादी पर्व के साथ जोड़ना कितना उपयुक्त ??



महावीर सिंह

प्रातः भ्रमण के समय एक गुरु के बीच चलने वाली वार्तालाप का सार है। यहां ऐसे गुरुस में कई प्रकार के लोग होते हैं। कुछ थोड़ा बहुत गम्भीर अध्ययन करने वाले, कुछ व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी डिग्रीधारी तो कुछ निखालस दिन दुनिया की व्यावहारिकता में पारंगत व्यक्ति और कुछ मेरे जैसे श्रोता। वैसे प्रातः भ्रमणकारीयों, पान व चाय की दुकानों पर चर्चा करने वालों भी दूसरे इसी प्रकार के समूहों पर यह बात काफी हद तक लागू होती है-आधा सुनना, चौथाई समझना शून्य सोचना लेकिन प्रतिक्रिया दोगुनी देना ये चारों हानिकारक हैं। विचार का बिंदु था क्या जल्दी स्वतंत्रता के लिए कोसियों ने देश विभाजन की बात मानली और यह देश के प्रति महा पाप किया उन्होंने। प्रातः की सैर करने वालों के बीच में उठी ये बात आज भी उतनी ही उलझी हुई है जितनी 1947 में थी। विभाजन का दर्द सांस्कृतिक और भावनात्मक है। हजारों साल की साझी

सभ्यता, गंगा-जमुनी तहजीब, एक भूगोल का एकाएक दो टुकड़ों में बंट जाना उस समय के लोगों के लिए कितना दुःखदाई रहा होगा उसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। 15 लाख लोगों का विस्थापन, खून-खराबा, परिवारों का उजड़ना के नजारे ऐसे देखें तो निश्चित ही यह एक महा त्रासदी थी। इस दृष्टि से विभाजन को राष्ट्र अथवा मानवता के देश की आत्मा पर धाव मत्ता या सकता है। एक तर्क दिया गया कि क्या बातचीत से कोई और रास्ता नहीं निकल सकता था? इस समूह के कुछ व्यक्तियों का तर्क था कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 90-95 प्रतिशत जनता ने स्वतंत्रता स्वागत किया था। वह जनता जो तीहरी गुलामी में बिना किसी प्रकार के अधिकारों के, नारकीय ज़िंदगी जी रहे थे। इस पक्ष का आधार सामाजिक और राजनीतिक था। सदियों से जिस बहुसंख्य आबादी को जाति, वर्ग और उपनिवेश- तीन स्तरों की गुलामी झेलनी पड़ी थी, उनके लिए 'स्वराज' का मतलब सबसे पहले था -वोट का अधिकार, जमीन का अधिकार, इज्जत का अधिकार। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने जनता को लामबंद किया था। वर्ष 1946 में भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्य रूप से प्रांतीय विधानसभाओं और संविधान सभा के लिए मतदान हुए थे। इन चुनावों ने भारत के राजनीतिक भविष्य और देश के विभाजन की दिशा तय की थी। जब 1946 के चुनावों में करोड़ों लोगों ने

पहली बार वोट दिया, तो वो इसी उम्मीद में था कि अब उनकी सुनी जाएगी। इसलिए उनके लिए स्वतंत्रता और विभाजन दोनों ही 'गुलामी के अंत' का प्रतीक बन गए थे। एक थोड़े से उग्र दराज व्यक्ति ने कुछ संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाया कि हिंदू महासभा और आरएसएस जैसे संगठन उस समय चुनावी राजनीति और जन-आंदोलन से दूरी पर थे। उनका फोकस कुछ अस्थ्र जैसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बाद में वैकल्पिक राजनीति पर रहा। जबकि कांग्रेस ने संविधान अज्ञा, भारत छोड़ो जैसे आंदोलन चलाए, और लीग ने 'पाकिस्तान' के नारे से मुस्लिम वोट को संगठित किया। क्या विभाजन से अतिरिक्त कोई और विकल्प था आजादी था आजादी का और अगर था तो ईतजार क्यों नहीं किया?? विकल्प काज पर थे, जमीन पर नहीं। 1946-47 आते-आते हालात इतने बिगड़ चुके थे कि 'ईतजार' का मतलब और अधिक खून-खराबा था। उस समय की परिस्थितया इतनी विकट हो गई थी उसको समझने के लिए इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है:--

सांप्रदायिक आग -- कलकत्ता, नोआखली, बिहार, पंजाब में रोज दंगे हो रहे थे। कानून-व्यवस्था टूट रही थी। ब्रिटिश फौज और पुलिस खुद पीछे हट रही थी। दो राह का विचार जड़ पकड़ चुका - 1940 लाहौर प्रस्ताव के बाद मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान' को ही अंतिम मांग बना दिया। 1946 के

चुनाव में लीग को मुस्लिम सीटों की 90 प्रतिशत से ज्यादा मिली। इसका मतलब था करोड़ों मुसलमान अब 'एक साथ' रहना नहीं चाहते। कांग्रेस भी थक चुकी थी - बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने सालों जेलों में बिताए, भारत छोड़ो आंदोलन में लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए आजाद भारत के सपने को साकार करने के लिए किंतु इस मुकाम पर उन्हें एक भारत के सपने पर जोड़े रखना अत्यंत कठिन सा लगने लगा था। आम कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ने की अपनी सीमाएं होती हैं। नेहरू-पटेल को लगा कि अगर अभी सत्ता नहीं ली तो देश गृहयुद्ध में चला जाएगा। रियासतें और अराजकता -- ब्रिटिश जा रहे थे। बीच में कोई खाली जगह नहीं छोड़ सकते थे। अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां ब्रिटेन खुद दिवालिया हो चुका था। चर्चिल का चुके, एटली की लेबर सरकार को 'जन्दी से भारत छोड़ो' का जनादेश था। दुनिया भर में इंडोनेशिया, वियतनाम तथा दूसरे उपनिवेशक देश बस जगह आजादी की मांग तेज थी। ब्रिटेन को 'सम्मानजनक निकासी' चाहिए। इसके अंतर्गत भारत - कैबिनेट मिशन 1946 बना और कमजोर केंद्र, प्रंतों को ज्यादा अधिकार के प्रस्ताव आए। एक भारत के अंतिम प्रयास थे लीग पहले मानी, फिर मुकर गई। कांठोस को भी पूरा भरोसा नहीं था कि

ये चलेगा। ईतजार करने का मतलब था और दंगे। पंजाब-बंगाल पहले ही जल रहे थे। ब्रिटिश रुकने को तैयार नहीं थे। 1947 तक ब्रिटेन में भी जनमत 'भारत छोड़ो' के पक्ष में था। आर्थिक रूप से रुकना उनके लिए संभव नहीं था। 'ईतजार' करने का मतलब था - बिना सरकार के, बिना फौज के, दंगों के बीच 40 करोड़ लोगों को छोड़ देना। नेहरू, पटेल, जिन्ना, गांधी - सभी ने देर से ही सही ये मान लिया कि बंटवारे के साथ आजादी अथवा बिना बंटवारे के गृहयुद्ध, विकल्प थे। इसलिए आज हम दोनों बातें एक साथ रख सकते हैं - विभाजन का दुख भी, और आजादी का जश्न भी। इतिहास केवल काला-सफेद नहीं होता। विभाजन एक त्रासदी भी था और लाखों के लिए मुक्ति भी। एक तरफ भूगोल बंटो, दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को पहली बार नागरिक बनने का मौका मिला। शायद सबसे सही बात यह थी कि है कि हम विभाजन के दर्द को भूलें नहीं। और साथ ही उन 90 लोगों की आकांक्षा को भी खारिज न करें जिनके लिए 15 अगस्त 1947 सचमुच पहली आजाद सुबह थी। इतिहास को कोसने से बेहतर है उससे सीखें - हमारे ऐसे वैसे कृत्यों के कारण पुनः देश के टुकड़े न हों, और कोई भी नागरिक बिना अधिकारों के नहीं रहे।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएसएस

निर्दलीय प्रत्याशियों को मिले चुनाव चिन्ह, भीलवाड़ा में आयुक्त ने वार्डों का औचक निरीक्षण किया

1 8 4 उम्मीदवार आजमाएंगे भाग्य

कांग्रेस-भाजपा के प्रत्याशियों के सामने निर्दलीयों ने बढ़ाई चुनौती

अजमेर(निसं)। नगर निगम चुनाव को लेकर शहर में चुनावी सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही हैं। प्रचार-प्रसार के बीच अब निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिन्हों का आवंटन भी शुरू हो गया है। चुनाव चिन्ह मिलते ही निर्दलीय प्रत्याशी भी पूरी तरह चुनावी मैदान में उतर गए हैं और अपने-अपने वार्डों में मतदाताओं से संपर्क कर समर्थन और मतदान की अपील करने में जुट गए हैं।

अजमेर नगर निगम के80 वार्डों के लिए कुल 340 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें भाजपा के 79, कांग्रेस के 77 और 184 निर्दलीय प्रत्याशी शामिल हैं। बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों के मैदान में होने से कई वार्डों में मुकाबला रोचक और कांटे का बन गया है। राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने उन्हीं दलों से जुड़े रहे पूर्व

- वार्ड नंबर 4 बना हॉट सीट: हेमा गहलोत को मिला गुब्बारा, बनवारी लाल को चप्पल और हितेश्वरी को अलमारी चुनाव चिन्ह**

पदाधिकारियों और पूर्व पार्षदों के निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने से समीकरण भी बदलते नजर आ रहे हैं।

पूर्व सभापति की पत्नी हेमा गहलोत को मिला **गुब्बारा**, **वार्ड 4 पर सबकी नजर:** चुनाव में सबसे अधिक चर्चावार्ड नंबर 4की हो रही है। यहां पूर्व सभापति एवं महापौर धर्मेन्द्र गहलोत की पत्नी हेमा गहलोत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरी हैं। खास बात यह है कि कांग्रेस की ओर से इस वार्ड में अपना प्रत्याशी नहीं उतारा गया है। ऐसे में हेमा गहलोत की उम्मीदवारी को लेकर वार्ड नंबर 4 का चुनाव खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा

है। हेमा गहलोत कोगुब्बारा चुनाव चिन्हआवंटित किया गया है। अब वह गुब्बारा चुनाव चिन्ह के साथ मतदाताओं के बीच पहुंचकर अपने पक्ष में मतदान की अपील करेंगी। पूर्व राजनीतिक पृष्ठभूमि और स्थानीय स्तर पर सक्रियता के चलते वार्ड नंबर 4 को इस बार चुनाव कोहॉट सीटमाना जा रहा है।

वार्ड 1 में पूर्व कांग्रेस पार्षद बनवारी लाल भी निर्दलीय मैदान में: इसी तरह वार्ड नंबर 1 में पूर्व कांग्रेस पार्षदबनवारी लालनिर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हेंचप्पल चुनाव चिन्हमिला है। पूर्व पार्षद होने के

कारण उन्हें वार्ड के मतदाताओं के बीच अपनी पहचान और पुराने संपर्क का लाभ मिलने की उम्मीद है। अब वह चप्पल चुनाव चिन्ह के साथ प्रचार अभियान तेज करेंगे।

वार्ड 1 7 मेंहितेश्वरीने टिकट कटने पर जताई नाराजगी: वार्ड नंबर 17से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरीहितेश्वरीकोअलमारी चुनाव चिन्हआवंटित किया गया है। हितेश्वरी ने कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वह कांग्रेस की शहर जिला अध्यक्ष रह चुकी हैं और पार्षद भी रही हैं। इसके बावजूद पार्टी की ओर से उनका टिकट काट दिया गया और उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों के आग्रह और समर्थन के चलते उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय लिया है। अब

वह अलमारी चुनाव चिन्ह के साथ मतदाताओं के बीच पहुंचकर अपने पक्ष में मतदान की अपील करेंगी।

184 निर्दलीयों के अलग-अलग चुनाव चिन्ह, प्रचार में दिखेगा रंग: चुनाव चिन्हों के आवंटन के बाद अब सभी निर्दलीय प्रत्याशी अपने-अपने चुनाव चिन्ह को लेकर प्रचार अभियान में जुटेंगे। मतदाताओं के बीच अपनी पहचान बनाने के लिए प्रत्याशियों की ओर से चुनाव चिन्ह के प्रचार पर भी जोर दिया जाएगा। अलमारी, गुब्बारा, चप्पल, टेलेफोन सहित विभिन्न चुनाव चिन्हनिर्दलीय प्रत्याशियों को आवंटित किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों के चुनाव मैदान में होने से कई वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों की राह आसान नहीं मानी जा रही है।

भीलवाड़(निसं)। जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक जसमीत सिंह संघू के निर्देशानुसार आयुक्त कमल सिंह यादव द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें कई जगहों पर व्यवस्थाएं देखकर असंतुष्टि जाहिर की गई। इस दौरान लापरवाही बरतने वाले संबंधित

- स्वच्छता और सीवरज व्यवस्था में कोताही पर दिए सख्त निर्देश, संवेदक को दिया नोटिस**

अधिकारियों और संवेदकों को सख्त निर्देश एवं नोटिस जारी किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान वार्ड नं. 20, आजाद नगर क्षेत्र में स्थित दो कचरा स्टेज पर कचरा अत्यंत अत्यवस्थित रूप से फैला हुआ मिला। इस पर गंभीर रुख अपनाते हुए संबंधित स्वास्थ्य निरीक्षक को मात्र दो घंटे के भीतर



आयुक्त कमल सिंह यादव द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

कचरा पूरी तरह उठवाने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद वार्ड नं. 29 में खाटू श्याम मंदिर के पास सीवरज लाइन से गंदा पानी बहता हुआ पाया गया। आयुक्त ने संबंधित अमले को आज ही सीवरज लाइन का लीकेज दुरुस्त करने और सड़क पर हुए गड़्ढों को अंतिमो्परी ठीक करवाने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान वार्ड नं. 20, आजाद नगर क्षेत्र में स्थित दो कचरा स्टेज पर कचरा अत्यंत अत्यवस्थित रूप से फैला हुआ मिला। इस पर गंभीर रुख अपनाते हुए संबंधित स्वास्थ्य निरीक्षक को मात्र दो घंटे के भीतर

इसे लेकर संबंधित संवेदक के खिलाफ तुरंत नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।दिनांक 03.09.2026 को दोपहर की पारी में शहर के विभिन्न वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान के तहत कुल 16 टीमों का गठन किया गया, जिनके द्वारा शहर के 18 वार्डों में सघन साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस अभियान के दायरे में वाई संख्या 03, 07, 08, 19, 21, 33, 34, 42, 43, 44, 47, 49, 50, 51, 56, 63, 65 और 66 को शामिल किया गया।

साार-समाचार जखरुरतमंद व गरीब बच्चों के साथ जन्माष्टमी का विशेष आयोजन

अजमेर, (निसं)। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नव पंख संस्था की ओर से जखरुरतमंद एवं गरीब बच्चों के साथ जन्माष्टमी का विशेष आयोजन किया गया। संस्था के सदस्यों ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं और उन्हें फल-फ्रूट्स वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ जन्माष्टमी के पर्व की महत्ता पर चर्चा की गई। संस्था के सदस्यों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेशों को याद करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण ने मानव जीवन को प्रेम, करुणा, मित्रता, कर्म और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे बच्चों के साथ त्योहार मनाना और उनके जीवन में खुशी के कुछ पल जोड़ना ही पर्व की सच्ची सार्थकता है। संस्था के सदस्यों ने कहा कि त्योहार केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समाज के जखरुरतमंद लोगों के साथ खुशियां बांटने और उन्हें अपनापन देने का माध्यम है। बच्चों के साथ समय बितकर उन्हें फल एवं अन्य सामग्री देना संस्था की सेवा भावना का एक छोटा-सा प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में भी काफी उत्साह और खुशी दिखाई दी। इस अवसर पर मनींदर कोर, नितिन उप्पल, मयंक चावला,विजय शर्मा एवं जितेंद्र डाबरीया उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। नवपंख संस्था के सदस्यों ने कहा कि संस्था आगे भी समाज के जखरुरतमंद वर्ग, विशेषकर बच्चों के बीच सेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। संस्था का उद्देश्य केवल जखरुरत की वस्तुएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि वंचित बच्चों के साथ अपनापन और खुशियां साझा कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाना भी है।

राधा बनो प्रतियोगिता में टियारा जैन प्रथम, ऐश्वर्या द्वितीय व अनन्या तृतीय

अजमेर(निसं)। वैशाली नगर स्थित बड़कालेश्वर मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव जन्माष्टमी के अवसर पर राधा बनो प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राधा का वेशभूषा में सजे बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां और नटखट अदाओं से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता मेंटियारा जैन ने प्रथम, ऐश्वर्या मेहता ने द्वितीय तथा अनन्या विजय ने तृतीय स्थानप्राप्त किया। प्रतियोगिता में शामिल बच्चों ने राधा का रूप धारण कर आकर्षक श्रृंंगार किया। बच्चों की मनमोहक वेशभूषा और उनकी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। संयोजक डॉ. बीना चौधरी एवं सह संयोजक आभा गांधी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना था। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर बड़कालेश्वर मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया। मंदिर परिसर में आकर्षक रोशनी की गई। भगवान राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं का भी मनमोहक श्रृंगार किया गया और उन्हें नई वेशभूषा धारण कराई गई। मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा।

‘‘ज्ञान ही कराता है सत्य-असत्य का विवेक’’

अजमेर(निसं)। ऋषि उद्यान में चल रहे सरल आध्यात्मिक शिविर में स्वामी ओमानंद सरस्वती ने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्चा ज्ञान मनुष्य को सत्य और असत्य के बीच विवेक करने की क्षमता प्रदान करता है। ज्ञान के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन के उद्देश्य को समझकर सही दिशा में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने आत्मचिंतन, सदाचार और अच्छे आचरण के माध्यम से ज्ञान को व्यवहारिक जीवन में उतारने पर जोर दिया। स्वामी विवेकानंद परिभाषक ने आध्यात्मिक जीवन, योग और मानसिक शांति के सरल सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जीवन का आधार यम और नियम का पालन है। अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह पांच यम हैं, जबकि शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान पांच नियम माने गए हैं। इन सिद्धांतों की समझकर जीवन में अपनाने से व्यक्ति का जीवन आध्यात्मिक होने के साथ अनुशासित भी बनता है। उन्होंने योग की व्याख्या करते हुए कहा कि सुबह से रात तक मन में अनेक प्रकार के सांसारिक विचार उठते रहते हैं। इन विचारों को नियंत्रित कर उनके स्थान पर ईश्वर, आत्मा जैसे सूक्ष्म विषयों का चिंतन करना और आगे चलकर उनकी अनुभूति प्राप्त करना योग अथवा समाधि को दिशा में आगे बढ़ाना है। भागदोड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति के उपाय बताते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की गति चाहे तेज हो या धीमी, हर परिस्थिति में यम-नियम का पालन आवश्यक है। इसके साथ ही सुबह और शाम नियमित रूप से निराकार, सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापक, व्यापकारी और आनंदस्वरूप ईश्वर की उपासना करनी चाहिए। इससे मन को स्थिरता मिलती है और व्यक्ति वास्तविक शांति की ओर अग्रसर होता है।

आरसीयू के आठ छात्रावासों में 17 स्मार्ट वॉशिंग मशीनें स्थापित

अजमेर(निसं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को आधुनिक, सुलभ और छात्र-केंद्रित सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और पहल की गई है। विश्वविद्यालय के सभी कार्यरत आठ छात्रावासों में कुल 17 स्मार्ट वॉशिंग मशीनें स्थापित की गई हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराम ने आयुक्त स्मार्ट वॉशिंग सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस सुविधा का उद्देश्य विद्यार्थियों को छात्रावास परिसर में ही सफेद धोने की सुविधाजनक एवं व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध कराना है। इसके विद्यार्थियों के समय की बचत होगी और वे अपने समय का बेहतर उपयोग पढ़ाई तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में कर सकेंगे। उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रो. आनंद भालेराम ने कहा कि विद्यार्थी ही विश्वविद्यालय की पहचान और उसकी प्रगति का केंद्र हैं। विद्यार्थियों की सुविधाओं और बेहतर परिसर जीवन को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में लगातार नई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। कुलपति ने विश्वविद्यालय में हाल के वर्षों में किए जा रहे आधारभूत ढांचा विकास का भी उल्लेख किया।

टिकट कटने से नाराज कांग्रेस महिला मोर्चा अध्यक्ष पार्टी कार्यालय पहुंची

अजमेर(निसं)। नगर निगम चुनाव के टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस के भीतर नाराजगी का दौर जारी है। टिकट नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद लक्ष्मी बुंदेल, पार्टी नेतृत्व के फैसले पर जताई नाराजगी, शहर जिलाध्यक्ष के सामने छलके आंसू

करने के बावजूद टिकट नहीं मिलने को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। पार्टी कार्यालय में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें संभाला। टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस में पहले से ही कई दावेदारों और अपनी पीड़ा शहर जिलाध्यक्ष राजकुमार जयपाल के समक्ष रखी। इस दौरान वह भावुक हो गई और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

लक्ष्मी बुंदेल ने पार्टी में लंबे समय से सक्रिय रहने और संगठन के लिए कार्य

सरवाड़ में चुनाव प्रचार तेज, प्रत्याशी घर-घर कर रहे जनसंपर्क

सरवाड़, (कासं)। नगर निकाय चुनाव को लेकर सरवाड़ में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। चुनाव चिन्ह आवंटित होने के बाद प्रत्याशियों ने अपने-अपने वार्डों में जनसंपर्क बढ़ा दिया है। प्रत्याशी और उनके समर्थक घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से संवाद कर रहे हैं। शहर में विभिन्न स्थानों पर चुनाव कार्यालयों की गतिविधियां भी दिखाई देने लगी हैं।

निर्वाचन अधिकारी एवं उपखंड

कृष्ण संंध्या फेरी निकाली

ब्यावर (निसं)। आराध्य भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी परिवार द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य कृष्ण संंध्या फेरी का आयोजन किया गया। संंध्या फेरी में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, परिवार के सदस्यगण, शहर के गणमान्य नागरिक एवं व्यापारीगण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने पीले, सफेद एवं लाल रंग के पारंपरिक वस्त्र धारण कर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा एवं भक्ति का परिचय दिया।संध्या फेरी के दौरान श्रद्धालु श्रीकृष्ण के भजनों एवं मधुर संगीत पर झुमते, नाचते और गाते हुए भक्ति में सराबोर नजर आए। भक्तिमय वातावरण के बीच संंध्या फेरी गोवर्धन नाथ जी के मंदिर पहुंची।

मसूदा में भाजपा-कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर, निर्दलीयों ने बिगाड़े समीकरण

मसूदा, (निसं)। नगर निकाय चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए। इसके साथ ही मसूदा नगर पालिका चुनाव के मैदान में मुकाबले की तस्बीर साफ हो गई है।

चुनाव चिन्ह मिलने के बाद प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने प्रचार अभियान को तेज करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब प्रत्याशी अपने चुनाव चिन्ह की मतदाताओं तक पहुंचाने के साथ ही घर-घर संपर्क अभियान में जुटेंगे। मसूदा नगर पालिका चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आ रहा है।

वहीं कई वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी ने दोनों प्रमुख दलों के समीकरण को उलझा दिया है। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव मैदान में रह गए प्रत्याशियों के बीच मुकाबला रोचक हो गया है। कई वार्डों में त्रिकोणीय संघर्ष के आसार बन रहे हैं, जिससे दोनों दलों के प्रत्याशियों के सामने चुनौती बढ़ गई है।

जन्माष्टमी पर कृष्ण भक्ति में डूबा मसूदा, मंदिरों में सजी आकर्षक झांकियां

मसूदा, (निसं)। कस्बे में शुक्रवार को जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर कस्बे के विभिन्न मंदिरों में विशेष सजावट की गई तथा आकर्षक धार्मिक झांकियां सजाई गईं।

सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। दिनभर भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों के चलते वातावरण भक्तिमय नजर आया। जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। अनेक बच्चों ने भगवान कृष्ण के मनमोहक स्वरूप में सजकर धार्मिक झांकियों में भाग लिया। बच्चों की कृष्ण वेशभूषा

- आधी रात जन्म के साथ गुंजे कृष्ण के जयकारे, महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद**

और आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया।

खेड़ा खुट बालाजी मंदिर में शिव तांडव की झांकी बनी आकर्षण: अजमेरी गेट स्थित खेड़ा खुट बालाजी मंदिर में मंदिर सेवा समिति की ओर से विशेष धार्मिक झांकी सजाई गई। यहां प्रस्तुत की गई शिव तांडव की आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के लिए विशेष

आकर्षण का केंद्र रही। झांकी देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। रात्रि में भगवान कृष्ण के जन्म के निर्धारित समय पर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। जैसे ही भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया, मंदिर परिसर कृष्ण के जयकारों से गुंज उठे। श्रद्धालुओं ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इसके बाद मंदिरों में महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती के पश्चात विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। देर रात तक धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलता रहा।

प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि और जनसंपर्क के आधार पर मतदाता अपने-अपने अनुमान लगा रहे हैं। हालांकि चुनावी मुकाबले में अंतिम स्थिति मतदान के बाद ही स्पष्ट होगी। मतदाताओं के हाथ में नगर पालिका सरकार की चाबी:

फिलहाल सभी प्रत्याशियों की नजरें मतदाताओं के रुख पर टिकी हुई हैं। भाजपा और कांग्रेस जहां अपने समोहन और कार्यकर्ताओं के सहारे चुनावी मैदान में मजबूती दिखाने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं निर्दलीय प्रत्याशी भी अपने स्तर पर मतदाताओं को जोड़ने में जुटे हैं। नामांकन वापसी के बाद बदले समीकरणों ने प्रत्याशियों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। अब मसूदा नगर पालिका की सरकार की चाबी सीधे मतदाताओं के हाथ में है। कौन प्रत्याशी मतदाताओं का विश्वास जीतने में सफल होता है और किसके पक्ष में चुनावी उड़ कवरेट बैठता है, यह तो परिणाम के बाद ही साफ होगा। फिलहाल आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार और तेज होने की उम्मीद है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर सजी आकर्षक झांकियां

सरवाड़, (कासं)। जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को सरवाड़ नगर के विभिन्न मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही। नगर के प्रमुख मंदिरों में दिनभर भजन-कीर्तन के आयोजन हुए तथा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर आधारित आकर्षक एवं जीवंत झांकियां सजाई गईं। झांकियों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शाम होते ही नगर के प्रमुख मंदिर आकर्षक विद्युत झालरों और रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठे। मंदिरों में की गई विशेष साज-सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप तथा उनके जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। जन्माष्टमी को लेकर नगर में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा।शाम के समय बस स्टैंड से लेकर गोपीनाथ मंदिर तक पुरुषों एवं युवाओं की भीड़ नजर आई।

कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाया

ब्यावर (निसं)। सुभाष उद्यान स्थित वाल्मीकि गार्डन में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने राधा कृष्ण के विविध रूप धरकर दर्शकों का मन मोह लिया। श्री कृष्ण योग मंच के संस्थापक आनंद कुमावत ने मंच संचालन करते हुए विशिष्ट अतिथि कुमावत समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर कुमावत, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी तुलसिराम चौधरी का स्वागत किया। कार्यक्रम में अमृतलाल गहलोत, डॉक्टर प्रमोद पोवाल, रेखा सांखला, योगाचार्य आनंद कुमावत, ओम बाई, मुस्कान, सिरमन गहलोत, उर्मिला राव आदि ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर प्रतःकाल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत ही पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी तुलसिराम चौधरी और योगाचार्य आनंद कुमावत द्वारा सुनील शर्मा, योगेश शर्मा, नेमीचंद शर्मा को सहयोग शिक्षक के सर्टिफिकेट दिए गए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गोपाल हेड, पतंजलि योग समिति के महामंत्री विष्णु प्रसाद कुमावत, प्रहलाद सोन, गोपाल सोनी, पुरुषोत्तम बंसल, इत्यादि सभी उपस्थित थे।

आम सूचना
श्री अलताफ पुत्र श्री अब्दुल वहीद, निवासी संजय बस्ती, जोधपुर निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करती हूँ कि मेरे पक्षकार की एक आवासीय सम्पत्ति संख्या 19/833, गंज मोहल्ला, अजमेर। यह सम्पत्ति मेरे पक्षकार के दादा जांहराम शाह की निष्कामत सम्पत्तियां (करोटीडिन, देवबूयू सम्पत्ति) जिनके वो संयुक्त और वैध मालिक (भूस्वामी) है, को बेवान किया जाना तय किया है। जिसका हमें पूर्ण अधिकार है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन से 7 दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मेंमाद आपत्ति स्वीकार किये जाने योग्य नहीं होगी। -भवदीय-कश्मिता शर्मा, एडवोकेट, मो.- 9460783659

NAME CHANGE
I, Sukhwinder Kaur, Mother of 18009618P, Hav, Kulwinder Singh, Residing at Rannagar, Bathinda, Punjab, 151509 have change my name from Sukhwinder Kaur to Sukhvinder Kaur vide affidavit no CH 897696 dt 03/09/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE
I, Partab Singh, Father of 18007403X, Spr, Vikram Singh, Residing at Siwani bolan, Agroha, Hisar, Haryana, 125047 have change my name from Partab Singh to Partap Singh vide affidavit no. CH 897703 dt 04/09/2026 at court campus Nasirabad

साक्षित याद में सम्मन
प्रपत्र संख्या 7 (दक्षिण नियम 21)
राजस्थान सांजैजिक प्रन्यास अभिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर, समस्त संबंधित व्यक्तियों को
पुद्गम नगर-DEVAJMER/TRUST/2026/949
सूचित प्रार्थी VIKAS NAHAR, 7069/B.K. KAUL NAGAR, AJMER ने राजस्थान सांजैजिक प्रन्यास अभिनियम, 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास की प्रार्था सेवा सौजन चिकित्सालय समिति, SOHAN CHIKIT-SALAYA, RAM NAGAR, AJMER के संबंध में अंतिम याद किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतः एव धारा 18 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपर्युक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की गईं तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित नीति से निर्णय किया जायेगा तथा जहाँ सक्षम मामले में निष्कर्ष अभिविज्ञात किया जायेगा। आज दिनांक 22.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अन्तर्ग जारी किया।आईदा जारी संख्या पेशी-23.11.2026
- सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर	आगति सूचना	दिनांक: 01/09/26
क्रमांक: न.नि.अ/भवन/26-27/209	आगति सूचना	
की यकीन बंद अग्रवाल पुत्र रू. की. बाबुलाल अग्रवाल निवासी 110/24 बाबू मल्लिक केसरज अजमेर द्वारा एक सम्पत्ति ए.एम.ओ. नं. 28/1196 लगा हुआ है जो बीच मालिकाना सुविधा के खसरा संख्या 9289 9290 9291 का एक भाग है जो कि बाबुलाल पुत्र अरुन अजमेर में निवास है जिसका कुल क्षेत्रफल 209.03 वर्ग मी. भूमि के मकदर ताल 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानक हेतु निर्धारित प्रपत्र में एक बर्तावलय में अर्पित पत्र संख्या 2026/949 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया गया है।	पुद्ग- देवला अजमेर	
अतः जहाँ इस सूचना के पूर्व पूर्व सहायक को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कर्षा दिये जाने में बाधकारी सम्पत्ति में दोन सहायकों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मेंमाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।	सूचित- देवला अजमेर	

‘‘नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...’’

गोविंददेवजी मंदिर में अलमुबह 4 बजे से उमड़े श्रद्धालु, जयकारों से गूंजी छोटीकाशी



जन्माष्टमी पर जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शनों के लिए अलसुबह से कतारें लगीं। चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदारजी मंदिर में दोपहर 12 बजे भगवान का प्राकट्योत्सव हुआ।

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। “नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...” के जयघोष से शुक्रवार को छोटी काशी जयपुर कृष्णमय हो उठी। रिमझिम बारिश के बीच सुबह से देर रात तक शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रही। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, श्रृंगार, भजन-कीर्तन, झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। मध्यरात्रि में कान्हा के प्राकट्य के साथ मंदिरों में शंख-घड़ियाल, नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच उल्लास छा गया।

गोविंददेवजी में तड़के 4 बजे से दर्शन

छोटी काशी के आराध्य ठाकुर श्री गोविंददेवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सात्रिध्य में जन्माष्टमी महापर्व मनाया गया। तड़के 4 बजे मंगला झांकी के पट खुले तो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रिमझिम बारिश के बावजूद लंबी कतारें लगी रही। मंगला झांकी से पहले ठाकुरजी का

- रात 12 बजे 31 तोपों की गर्जना के बीच हुआ भगवान श्रीकृष्ण का जन्म
- गोविंददेवजी मंदिर में 1100 स्वयंसेवकों और 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों ने संभाली व्यवस्था

पंचामृत अभिषेक कर नवीन पीत वस्त्र धारण कराए गए और विशेष पुष्प श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को ‘बधाई है’ और स्वास्तिक की पताकाओं से सजाया गया।

भारी भीड़ को देखते हुए जलेब चौक से प्रवेश और जय निवास बाग के पूर्वी व पश्चिमी गेट से निकासी की व्यवस्था रही। दर्शन पास, बिना जूते-चप्पल और जूते-चप्पल के साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गईं। परिसर में 13 एलईडी स्क्रीन लगाई गईं। हरि कीर्तन और प्रसाद स्टॉलों ने माहौल भक्तिमय बनाए रखा। सुरक्षा के लिए करीब 1100 स्वयंसेवक, 150 स्काउट और

1000 से अधिक पुलिसकर्मों तैनात रहे। मंदिर को 12 सेक्टर में बांटकर तीन पारियों में ड्यूटी लगाई गई। डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों के साथ आएसी कंपनियां व चुड़सवार पुलिस तैनात रही। मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी, एआई कैमरों और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम से निगरानी की गई।

रात 10 से 11 बजे तक जन्माष्टमी व्रत कथा हुई। मध्यरात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर 31 तोपों की हवाई गर्जना और विशेष आतिशबाजी की गई। जन्म के बाद पंचामृत अभिषेक में 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद का उपयोग किया गया। पंजीरी, लड्डू, खिरसा और रबड़ी कुल्हड़ का भोग लगाया गया।

तीन मंदिरों में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव

जयपुर के अधिकांश मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्म मध्यरात्रि में मनाया गया, वहीं रामगंज बाजार स्थित श्री लाडलीजी मंदिर, चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर और नाहरगढ़

पहाड़ी स्थित चरण मंदिर में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव हुआ। लाडलीजी मंदिर में ललित संप्रदायाचार्य संजय गोस्वामी के सात्रिध्य में दोपहर 12 से 3 बजे तक ठाकुर किशोरी रमण का जन्मोत्सव मनाया गया। अभिषेक, बधाई गायन, समाज उछाल और प्रसाद वितरण हुआ। राधा-दामोदरजी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सात्रिध्य में करीब 40 मिनट तक पंचामृत से जन्माभिषेक हुआ। चरण मंदिर में भी दोपहर में अभिषेक किया गया।

आज निकलेगी गोविंददेवजी की शोभायात्रा

जन्माष्टमी के अगले दिन शनिवार को गोविंददेवजी की भव्य शोभायात्रा शाम 4.30 बजे श्री गोविंददेवजी मंदिर से रवाना होगी। यह जलेबी चौक, सिरहदयोद्धी बाजार, बांदरवाल गेट, बडी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगनेरी गेट, बापू बाजार, न्यूगेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल

जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में

प्रशासक नियुक्त

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर । जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर संदेश नायक ने राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 95 तथा धारा 101 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में प्रशासक नियुक्त किए हैं। प्रशासकों की नियुक्ति संबंधित पंचायत समिति के नवनिर्वाचन के पश्चात् गठित पंचायत समिति की प्रथम बैठक की तिथि के ठीक पूर्ववर्ती दिन तक प्रभावी रहेगी।

आदेश के अनुसार अमेर पंचायत समिति में उपखण्ड अधिकारी आमेर, आंधी एवं जखमगामगढ़ में उपखण्ड अधिकारी जमवारामगढ़, बस्सी एवं तुंगा में उपखण्ड अधिकारी बस्सी, चाकसू एवं कोटखावदा में उपखण्ड अधिकारी चाकसू, ददू में उपखण्ड अधिकारी ददू, गोविंदगढ़ में उपखण्ड अधिकारी चोमू, जालसू में उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबडी, झोटवाड़ा में उपखण्ड अधिकारी जयपुर, जोबनेर में उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, किशनगढ़-रेनवाल में उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-रेनवाल, माधोरानपुरा में उपखण्ड अधिकारी माधोरानपुरा, मौजमाबाद में उपखण्ड अधिकारी मौजमाबाद, फागी में उपखण्ड अधिकारी फागी, सांभरलेक में उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक, सांगानेर में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर, शाहपुरा में उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा, को प्रशासक नियुक्त किया गया है। इन पंचायत समितियों में नियुक्त प्रशासक संबंधित पंचायत समिति के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

जे.सी.बी. की खुदाई में गैस पाइपलाइन टूटने से हड़कंप

जयपुर । झोटवाड़ा थाना इलाके के कमानी मोड़ चौराहे पर शुक्रवार दोपहर जेसीबी से खुदाई के दौरान टोरेंट गैस की पाइपलाइन क्षितग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटते ही गैस कारिसाव-शुरू हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस की टीम और संबंधित विभागों की टीमों मौके पर पहुंचीं।

एहतियात के तौर पर इलाके की बिजली सप्लाई बंद करवाई गई। किसी भी तरह की अनहोनी को आशंका को देखते हुए आसपास का यातायात डायवर्ट कर दिया गया और लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की गई।

‘जेडीए की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट जाएंगे कोचिंग संस्थान’

जयपुर । गोपालपुरा बाईपास पर संचालित कोचिंग संस्थानों को हटाकर कोचिंग हब में शिफ्ट करने का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से कोचिंग संस्थानों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई के विरोध में अब राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी की है।

एसोसिएशन के मुताबिक जेडीए प्रशासन अब तक करीब 30 कोचिंग संस्थानों, 15 लाइसेंस और हॉस्टल को सील कर चुका है। इसके साथ ही अन्य कोचिंग संस्थानों को भी जेडीए द्वारा नोटिस दिए जा रहे हैं। ऐसे में सभी कोचिंग संस्थानों ने सुप्रीम कोर्ट में अपना

गई। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल गैस कंपनी को सूचना दी। इसके बाद कंपनी की ओर से गैस की सप्लाई बंद करवाई गई, जिससे रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की जा सकी।

थानाधिकारी रेजल सिंह ने बताया कि गैस सप्लाई बंद होने के बाद करीब आधे घंटे की मशक्कत में रिसाव को नियंत्रित कर लिया गया। समय रहते गैस सप्लाई बंद कराने और पुलिस-प्रशासन की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। रिसाव नियंत्रित होने के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान एहतियात के तौर पर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

कांग्रेस चुनाव जीती तो हर निकाय में हर साल होगी सफाईकर्मियों की भर्ती : गोविन्द सिंह डोटासरा

- कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। निकाय चुनाव की सरगमियों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को पीसीसी वॉर रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के आदेश और अवमानना की कार्रवाई के बाद सरकार को चुनाव कराने पड़े। करीब डेढ़ साल तक निकायों में प्रशासक रहने से जनता के काम प्रभावित हुए।

डोटासरा ने परिसीमन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं 10 हजार तो कहीं 30 हजार तक की आबादी वाले वार्ड बनाए गए। उन्होंने आरक्षण लॉटरी में भी मनमानी का आरोप लगाया। कहा कि पहली बार नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं की संयुक्त लॉटरी निकाली गई, जिसके चलते प्रदेश के 10 नगर निगमों में किसी में भी महापौर पद एससी-एसटी के लिए आरक्षित नहीं हुआ। एक पक्ष ओबीसी के लिए आरक्षित हुआ, जबकि एससी-एसटी आरक्षण नगर पालिकाओं तक सीमित रहा।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने टिकट वितरण में 40 वर्ष से कम उम्र के 49.33 प्रतिशत, ओबीसी के 48.85 प्रतिशत, एससी के 21.81 प्रतिशत, एसटी के 5.23 प्रतिशत और महिलाओं के 35.90 प्रतिशत उम्मीदवारों को मौका दिया है।

जयपुर की समस्याओं पर भाजपा को घेरा

डोटासरा ने गड्डों, ट्रैफिक जाम, कचरे, बंदरों, सुअरों और आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर भाजपा बोर्ड पर निशाना साधा। आदर्श नगर के वार्ड टिकट विवाद पर उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने पर जांच होगी। टिकट वितरण के मतभेद बातचीत से सुलझाने का दावा करते हुए उन्होंने अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बाणियों पर कार्रवाई के संकेत दिए। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस निकाय चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि 23 हजार से अधिक पदों की घोषणा के बावजूद तीन साल में भर्ती पूरी नहीं हुई। नई भर्ती में शर्तों के कारण अब तक करीब चार हजार आवेदन आने का दावा करते हुए

इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगी

- पुलिस कांस्टेबल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया। इससे मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं की जान पर संडरा रहा बड़ा खतरा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कांस्टेबल कान सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग के बीच जाकर श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और जलते सिलेंडर को परिसर से बाहर फेंका। उनकी इस बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की मौके पर मौजूद लोगों ने सरनाहना की।

जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री का शुक्रवार शाम इस्कॉन मंदिर आने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित बताया गया है। मुख्यमंत्री के दौर से पहले मंदिर परिसर में आग की घटना के बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं।

राजस्थान के युवाओं को 4 हजार रुपए देगी केन्द्र व राज्य सरकार

राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत 1500 रुपए केन्द्र तथा 2500 रुपए प्रतिमाह राज्य सरकार देगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराने के लिए अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत पात्र अप्रेंटिस को केंद्र सरकार की ओर से 1500 प्रतिमाह की स्टाइपेंड सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दी जा रही है। वहीं राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के तहत राजस्थान अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना में पात्र अप्रेंटिस 2500 प्रतिमाह अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जायेगी। इस स्कीम का उद्देश्य उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसस्थानों के अवसर बढ़ाना, युवाओं को रोजगार से जुड़े व्यावहारिक कौशल प्रदान करना और एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप को

2025-26 में 32243 अप्रेंटिस जुड़े

जानकारी के मुताबिक राजस्थान में अप्रेंटिसशिप के प्रति युवाओं और प्रतिष्ठानों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 2021-22 में 12,850 अप्रेंटिस की उपलब्धि रही, जो 2022-23 में 15204 हुई, 2023-24 में 18230 और 2024-25 में बढ़कर 22328 हो गई। वर्ष 2025-26 में 32243 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 44.4 प्रतिशत अधिक है। यह वार्षिक लक्ष्य 24010 के मुकाबले 135 प्रतिशत



गोविंद सिंह डोटासरा

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर हर निकाय में हर साल सफाईकर्मियों की भर्ती और घर-घर कचरा संग्रहण मुफ्त किया जाएगा।

500 रुपए में पड़े देने का वादा

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो 500 रुपए में मकान का पट्टा देने की व्यवस्था जारी रखी जाएगी। नार्मातरण शुल्क में राहत बरकरार रखने तथा सीसी रोड, ड्रेनेज, सीवरेज और एसटीपी के लिए अतिरिक्त बजट देने की बात कही।

विकास कार्यों का स्टेटस और शिकायतों का निस्तारण ऑनलाइन करने का भी वादा किया। जयपुर मेट्रो की नई डीपीआर में बदलाव को लेकर उन्होंने अतिरिक्त खर्च और संचालन प्रभावित होने की आशंका जताई तथा भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप लगाए।

नामांकन में सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

डोटासरा ने बीकानेर, मालपुरा, नाथद्वारा, पाली और भीलवाड़ा में कांग्रेस व समर्थित निर्दलीय प्रत्याशियों पर दबाव और नामांकन में भेदभाव का दावा किया। आदर्श नगर के वार्ड टिकट विवाद पर उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने पर जांच होगी। टिकट वितरण के मतभेद बातचीत से सुलझाने का दावा करते हुए उन्होंने अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बाणियों पर कार्रवाई के संकेत दिए। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस निकाय चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी।

‘कोई मेरा-तेरा नहीं, जिसे पार्टी का सिंबल मिला, वह सबका प्रत्याशी’

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने जयपुर के विधायकों से दो टूक बात कही

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने जयपुर में संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेतारों के साथ बैठक कर चुनौती तैयारियों का फीडबैक लिया। दिनभर हुई बैठकों के अंतिम चरण में संतोष ने जयपुर नगर निगम क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों के राजनीतिक समीकरणां और वार्डवार स्थिति को लेकर नेताओं से जानकारी ली।

बैठक में बीएल संतोष ने टिकट वितरण के बाद सामने आ रही स्थानीय खींचतान के बीच विधायकों और विधानसभा प्रत्याशियों को स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी प्रत्याशी ‘मेरा-तेरा’ नहीं होता। पार्टी का सिंबल जिस प्रत्याशी को मिल गया, वह पूरे संगठन का प्रत्याशी है। ऐसे में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत पसंद-

- बीएल संतोष ने जयपुर शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं से लिया फीडबैक, वार्डवार राजनीतिक समीकरणां पर किया मंथन

नापसंद से ऊपर उठकर पार्टी प्रत्याशी को जीताने के लिए काम करना होगा।

संतोष ने जयपुर नगर निगम चुनाव में पार्टी की स्थिति को लेकर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा की। उन्होंने नेताओं से संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में आने वाले वार्डों के राजनीतिक समीकरण, प्रत्याशियों की स्थिति, स्थानीय प्रभाव, संगठन की सक्रियता और चुनावी संभावनाओं की जानकारी ली। साथ ही जिन वार्डों में पार्टी को चुनौती नजर आ रही है, वहां संगठन की स्थिति और जीत के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी फीडबैक लिया।

बैठक में निगम चुनाव में विधानसभा स्तर पर समन्वय और सभी

नेताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने पर जोर दिया गया।

संतोष ने संकेत दिया कि निगम चुनाव में संगठन की प्राथमिकता व्यक्तिगत गुटों के बजाय सामूहिक रूप से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को मजबूत करना है।

बैठक में जयपुर नगर निगम चुनाव के पर्यवेक्षक एवं प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक बालमुकुंदचार्य, राज्यसभा सांसद नरेश्याम तिवारी, सांसद मंजू शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित जयपुर शहर के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी होगी

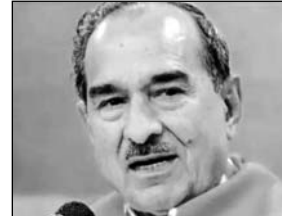
जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर तथा सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण के उपनिदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि बायोमेट्रिक के कारण शिक्षण संस्थान स्तर पर लॉन्ग है, वे निर्धारित तिथि से पूर्व बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके। निर्धारित तिथि के पश्चात बायोमेट्रिक के कारण लंबित आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

डोटासरा मानसिक अवसाद के शिकार, भाजपा और संघ के फोबिया से ग्रस्त : मदन राठौड़

कांग्रेस का विजन त्रि-सूत्रीय फार्मूला- समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को मानसिक अवसाद का शिकार बताया, जिन्हें भाजपा और संघ का फोबिया हो गया है। कांग्रेस की जमीनी स्थिति का आकलन उनके पास पहुंच गया है, इसलिए वे अनर्गल प्रलाप कर अपनी सामने दिख रही हार की श्रेष मिटा रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि परिसीमन में बेईमानी कांग्रेस ने पिछले निकाय चुनावों में की थी, जब तुष्टिकरण के आधार पर कोई वार्ड 300 मतदाताओं का बना दिया तो कोई वार्ड 3000 वोटर्स का बना दिया गया, बेईमानी उसे कहते हैं जो उन्होंने की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का कौन कार्यकर्ता,



मदन राठौड़

कौन नेता कहां आएगा, कहां बैठेगा और कहां चुनाव का कार्य देखेगा, ये भाजपा का परिवारभाव के साथ तय करने में सक्षम है।

कांग्रेस और उनके नेताओं का ना तो इसमें चिंता करने की जरूरत है और ना ही ज्ञान देने की जरूरत है। अगर चिंता और ज्ञान ज्यादा ही है तो वे पहले

- स्वरा भास्कर, जब जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाती है, तब डोटासरा के मुंह में दही क्यों जम जाता है?: राठौड़

- राठौड़ ने सवाल पूछा कि “दलित जिलाध्यक्ष की पिटाई और कांग्रेस नेत्रियों से अनुचित मांग पर मौन क्यों है कांग्रेस?”

अपने घर की चिंता कर लें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक तरफ दावा करती है कि दलितों और महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं, ये इनके शब्दों के ढकोसले हैं, बीकानेर में जिस कांग्रेस जिलाध्यक्ष को पिटा दिया गया, वो दलित शरीर और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते हैं, जब

किया, पूछने का साहस हो, वहां महिलाओं का सम्मान किस तरह होता है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा महिला सम्मान की बात करते हैं, उनकी पार्टी से जुड़े हुए परिवार के लोग और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते हैं, जब

वे जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाते हैं और डोटासरा के मुंह में दही जम जाता है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा झूठ गढ़ने की मशीन से होड़ करते हुए प्रतीत होते हैं, जब वे राजस्थान में पिछले ढाई साल में हुए विकास के काम पर सवाल उठाते हैं। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का विजन जनता को पता है, समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना। ये ही इनका त्रि-सूत्रीय फार्मूला है, जो आज विजन के नाम पर जनता को सामने रखता है, वो ही काम कांग्रेस ने सरकार में रहते हुए क्यों नहीं किए और अब वो जो दावे कर रहे हैं वो पूरे कैसे करेंगे, ये जनता जानती है कि ये झूठ के पुलौंदे के अलावा कुछ नहीं है।



गणेश चतुर्थी पर

भव्य लॉन्च



14 सितंबर 2026



नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट
₹16,500
प्रति वर्ग गज

लॉन्च रेट (गणेश चतुर्थी)
₹18,000
प्रति वर्ग गज

दिवाली की रेट
₹20,000
प्रति वर्ग गज

1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख

2 दुकानों की कीमत: ₹25 लाख

सिर्फ 10 दिन में ₹1500 प्रति वर्ग गज रेट बढ़ेगी !

KEDIA®



1800-120-2323
78770-72737



info@kedia.com



www.kedia.com

T&C Apply



आटा तो पवित्र ही खिलाकर रहेंगे !

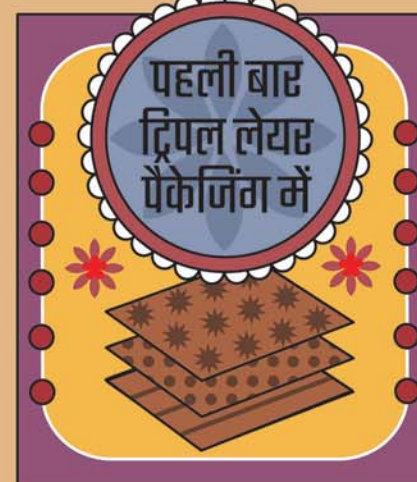
केडिया पवित्र देशी चक्की आटा 10 किलो
अब सिर्फ ₹400 में



नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट
और Zepto पर उपलब्ध !



आटा । दलिया । सुजी । बेसन । सत्तू । दाल । चावल । खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले। हींग। कुकिंग ऑयल ।
ड्राई फ्रूट्स । फ्लेवर्ड मसाला । गुड़ । मिश्री । सेंधा नमक । पोहा और चाय सहित कमलीट किचन बाल्केट



दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800-120-2727

Conditions Apply *Visuals for illustration purpose only*